महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

दूर शिक्षा निदेशालय

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रिय विद्यार्थियों,

जिन छात्रों ने बी.एड. प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया है, ऐसे सभी छात्रों की प्रवेश सूची अध्ययन केंद्र के अनुसार विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध है। प्रवेशित छात्रों को सूचित किया जाता है कि **बी.एड. द्वितीय सत्र के सत्रीय कार्य लिखकर अध्ययन केंद्र पर दिनांक 30 अप्रैल 2018 तक** प्रस्तुत करें। बी.एड. **द्वितीय सत्र** के सत्रीय कार्य निम्नानुसार हैं-

शिक्षा 021 - संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण

शिक्षा 022 - शैक्षिक आकलन

शिक्षा 023 - विद्यालय विषय शिक्षण *(निम्नलिखित विषयों में से किसी एक का चयन करके उसी का सत्रीय कार्य लिखना है|) (1) हिंदी शिक्षण (2) मराठी शिक्षण (3) संस्कृत शिक्षण (4) Teaching of English (5) सामाजिक विज्ञान शिक्षण (6) भौतिकीय विज्ञान शिक्षण (7) जीव विज्ञान शिक्षण (8) गणित शिक्षण (9) स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा (10) प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षण

शिक्षा 024 - विद्यालय प्रबंधन एवं नेतृत्व

शिक्षा 025 - व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (एक सप्ताह के लिए) - मार्गदर्शक पुस्तिका (द्वितीय सेमेस्टर) में दिए गए निर्देश के अनुसार कार्य करें |

उद्देश्य - सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जानना है कि आपने पाठयक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा, समझा और उसके विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यों का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री अध्ययन के पश्चात आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप उसी रुप में प्रस्तुत न करें बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर व्यावहारिक रुप से सोच विचार कर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर में आपका अध्ययन, व्यावहारिक,

आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

निर्देश – सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए –

1. अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएं सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता, और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की बाईं ओर पाठ्यक्रम का नाम, प्रश्न पत्र का शीर्षक एवं कोड संख्या स्पष्ट लिखे।

(Cover page) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अध्ययन केंद्र का नाम : .....

पंजीयन संख्या: .....

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

मो. : .....

ई-मेल : .....

दिनांक : .....

पाठ्यक्रम का नाम : बी.एड.

प्रश्न पत्र का शीर्षक : .....

प्रश्न-पत्र कोड : .....

विद्यार्थी हस्ताक्षर

1. प्रस्तुत सत्रीय कार्य को स्वयं मेरे द्वारा पूरा करने के पश्चात हस्ताक्षरित कर प्रस्तुत किया जा रहा है।
2. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप (A_4) आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन सभी कागजों में केवल दायीं तरफ का ही प्रयोग करें।
3. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
4. अपनी हस्तलिपि (Hand written) में उत्तर दें।

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें। आपका उत्तर सुसंगत, बोधगम्य और स्पष्ट हो।
2. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की छाया प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ।

(पाठ्यक्रम संयोजक)

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 021

प्रश्न पत्र : **संज्ञान अधिगम एवं शिक्षण**

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें|

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें|

खंड – प्रथम

लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. शिक्षकों के लिए शिक्षा मनोविज्ञान की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए|

02. सिखाने में समाज की भूमिका महत्वपूर्ण है| स्पष्ट कीजिए|

03. एक शिक्षक के रूप में आप अपने विद्यार्थियों को सिखाने के लिए किन-किन विधियों का प्रयोग करते हैं ?

04. वैक्तिक भिन्नता के विभिन्न आयामों को स्पष्ट कीजिए|

05. समस्या समाधान की प्रक्रिया किन-किन कारकों से प्रभावित हो सकती है?

06. सृजनशीलता को अपने शब्दों में समझाइये |

खंड – द्वितीय

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. बाल श्रम के लिए उत्तरदायी कारणों को स्पष्ट करते हुए इसके रोकथाम के लिए समाज द्वारा किये जाने वाले प्रयास की समीक्षा कीजिए|

02. एक शिक्षक के रूप में आप अपने विद्यार्थियों में रचनाशीलता के विकास के लिए क्या-क्या प्रयास करेंगे?

03. अभिप्रेरणा के विभिन्न सिद्धांतों का विश्लेषण करते हुए इसकी प्रकृति पर प्रकाश डालिए|

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 022

प्रश्न पत्र : **शैक्षिक आकलन**

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें|

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें|

खंड – प्रथम
लघु उत्तरीय प्रश्न
(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. केन्द्रीय प्रवृत्त की माप से आप क्या समझते हैं?
02. ब्लू प्रिंट से आप क्या समझते हैं?स्पष्ट कीजिए.
03. समाजमिति से आप क्या समझते हैं?
04. दण्ड आरेख और वृत्त चित्र, को उपयुक्त उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिये|
05. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन में सतत शब्द से आप क्या समझते हैं?
06. बहुलक से आप क्या समझते हैं ?

खंड – द्वितीय
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. मापन के विभिन्न स्तरों का उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए|
02. "प्रचलित आकलन व मूल्यांकन पद्धति निर्माणवादी प्रारूप का मुखौटा ओढ़े हुए व्यवहारवादी आकलन व मूल्यांकन संवर्धन करती है" पुष्टि कीजिए|
03. निर्माणवादी अधिगम के परिप्रेक्ष्य में आकलन व मूल्यांकन के सतत एवं व्यापक स्वरूप की व्याख्या कीजिये|

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 023

प्रश्न पत्र : **विद्यालय विषय शिक्षण* (हिंदी शिक्षण)**

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नोंके उत्तर A4 साईज (आकार)के कागज की एक तरफ लिखें।

खंड –प्रथम
लघु उत्तरीय प्रश्न
(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. हिंदी भाषा शिक्षण के उद्देश्य को स्पष्ट करें।
02. भाषा शिक्षण के सामान्य सिद्धान्तों को बताइयें।
03. प्रत्यक्ष विधि को स्पष्ट करें।
04. श्रवण कौशल क्या है ?
05. भाषा में दृश्य श्रव्य साधनोकी उपयोगिता को स्पष्ट करें।
06. लेखन शिक्षण का महत्व एवं उद्देश्य स्पष्ट करें।

खंड-द्वितीय
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. पाठ्य सहगामी क्रियाओं का अर्थ स्पष्ट करते हुए भाषा से सम्बन्धित पाठ्य सहगामी क्रियाओं की व्याख्या करें।
02. किसी कक्षा में विद्यार्थियों द्वारा शुद्ध हिन्दी उच्चारण न कर पाने की दशा में आप क्या करेंगे ? स्पष्ट करें।
03. कक्षा में हिन्दी भाषा शिक्षण को प्रभावी कैसे बनाया जा सकता है ? व्याख्या करें।

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 023

प्रश्न पत्र : विद्यालय विषय शिक्षण*** (मराठी शिक्षण)**

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** पर्यंत अध्ययन केंद्रावर जमा करावे.

सूचना : सदर प्रश्नपत्र दोन भागामध्ये विभागलेला असून प्रथम भागामध्ये 6 लघु उत्तरीय प्रश्न समाविष्ट आहे. लघु उतरीय प्रश्नाकरिता प्रत्येक प्रश्नाला 02 गुण दिलेले आहे. द्वितीय भागामध्ये 3 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न समाविष्ट आहे. दीर्घ उतरीय प्रश्नाकरिता प्रत्येक प्रश्नाला 06 गुण दिलेले आहे. सर्व प्रश्न अनिवार्य असून स्व: हस्ताक्षरात लिहा. एकूण गुण 30 असून प्रश्नाचे उत्तर A4 साईजच्या पेपर वर एका बाजूला लिहा.

खंड - प्रथम
लघु उत्तरीय प्रश्न
(अधिकतर शब्द मर्यादा 100-150) **06×02=12**

01. आदर्श पाठ्यपुस्तकाचे निकष सांगा.
02. व्याख्यान पद्धतीचे महत्व स्पष्ट करा.
03. भाषा शिक्षकाला अध्यापनाकरिता नाट्यीकरण तंत्र कशाप्रकारे सहायक ठरू शकते, स्पष्ट करा.
04. सूक्ष्म अध्यापन तंत्राच्या विविध कौशल्याचे वर्गाध्यापनातिल महत्व स्पष्ट करा.
05. भाषा प्रयोगशाळेची उपयोगिता विशद करा ?
06. मराठी भाषेचा इतर शालेय विषयाशी सहसंबंध स्पष्ट करा.

खंड - द्वितीय
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
(अधिकतर शब्द मर्यादा 500-600) **03×06=18**

01. आपल्या विद्यालयात प्रवेशित मराठी मातृभाषा नसलेल्या विद्यार्थ्यांच्या भाषिक कौशल्याच्या विकासाकरिता कार्यशाळा आयोजित करावयाची आहे, सविस्तर कार्यसूची तयार करा.
02. विद्यार्थ्यामध्ये प्रमाणित मराठी भाषेचा विकास घडवून आणण्याकरिता भाषा शिक्षक या नात्याने तुम्ही कोण-कोणते प्रयत्न कराल ? रूपरेखा तयार करा.
03. एखाद्या पाठ्यांशाची निवड करून कथाकथन पद्धतीच्या सहाय्याने करावयाच्या अध्यापनाकरिता भाषा शिक्षक या नात्याने पाठ नियोजन तयार करा.

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 023

प्रश्न पत्र : **विद्यालय विषय शिक्षण* (संस्कृत शिक्षण)**

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नोंके उत्तर A4 साईज (आकार)के कागज की एक तरफ लिखें।

खंड –प्रथम

लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. संस्कृत भाषा के वैज्ञानिक महत्व को स्पष्ट करें।
02. आधुनिक भारत में संस्कृत के महत्व को स्पष्ट करें।
03. संस्कृत शिक्षण के सामान्य उद्देश्य क्या है ?
04. अच्छी पाठ्य पुस्तकों के गुणों को बताइयें।
05. संस्कृत शिक्षण पद्धतियों में से परम्परागत पद्धति पर प्रकाश डालिये।
06. संस्कृत गद्य शिक्षण की विधियों की व्याख्या कीजिये।

खंड-द्वितीय

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. संस्कृत भाषा शिक्षक के सामान्य एवं विशिष्ट गुणों की व्याख्या करें।
02. नाटक शिक्षण के उद्देश्य एवं शिक्षण विधियों की व्याख्या करें।
03. रचना शिक्षण के उद्देश्य स्पष्ट करते हुए रचना शिक्षण विधियों पर प्रकाश डालिये।

****

B.Ed. (Session: 2017-19) Second Semester
Sessional Work

Paper Code: शिक्षा (Education) : 023
Paper: विद्यालय विषय शिक्षण (School Teaching Subject) * (Teaching of English)
Last Date: Submit on Study Center Before **30 April 2018.**

Instruction: This question paper divided in two parts in first part 6 short answer questions each question carry 2 marks and in second part 3 long answer type question each carry 6 marks **.** Answer the question on A4 size paper (only single side)

Part-First
Short Answer Question
(Maximum word limit 100-150) **06×02=12**

1. What is word method of reading?

2. What are the general aims of teaching prose?

3. What is the role of dictionary in teaching English?

4. How many types of reading are there?

5. How CALL is helpful in teaching English.

6. What is the role of skimming and scanning in reading?

Part- Second
Long Answer Question
(Maximum word limit 500-600) **03×06=18**

1. Prepare an unit plan for class VII.

2. Critically analyze English text book of class VIII.

3. Prepare a Diagnostic test on any topic for class IX.

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 023

प्रश्न पत्र : **विद्यालय विषय शिक्षण* (सामाजिक विज्ञान शिक्षण)**

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018 तक** अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है। सभी प्रश्न अनिवार्य है । सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नोंके उत्तर A4 साईज (आकार)के कागज की एक तरफ लिखें।

---

01. सामाजिक विज्ञान विषय के दार्शनिक एवं सैद्धान्तिक आधारों की व्याख्या कीजिये?

02. सामाजिक विज्ञान विषय के महत्व एवं भूमिका को स्पष्ट कीजिये?

03. सामाजिक विज्ञान विषय के पाठ्यक्रम का निर्माण करते समय किन-2 सिद्धान्तों के अनुपालन की आवश्यकता प्रतीत होती है?

04. सामाजिक विज्ञान शिक्षण में श्रव्य-दृश्य सामग्री की आवश्यकता पर प्रकाश डालिये।

05. रचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन में बुनियादी रूप से क्या अंतर है?

06. सामाजिक विज्ञान विषय की प्रमुख शिक्षण विधियों का उल्लेख कीजिये ?

खंड-द्वितीय

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. सामाजिक विज्ञान विषय का शिक्षण किस प्रकार लोकतांन्त्रिक नागरिकता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहनकरती है ?

02. सामाजिक विज्ञान विषय के कक्षा 08 की पाठ्य पुस्तकों का समालोचनात्मक व्याख्या किजिये।

03. सामाजिक विज्ञान शिक्षण में सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा एवं महत्व को स्पष्ट कीजिये?

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर
सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 023

प्रश्न पत्र : विद्यालय विषय शिक्षण* (भौतिकीय विज्ञान शिक्षण)

अंतिम तिथि : 30 अप्रैल 2018 तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें |

खंड – प्रथम
लघु उत्तरीय प्रश्न
(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

1.भौतिक विज्ञान का रसायन विज्ञान से क्या सम्बन्ध है ? स्पष्ट कीजिए |

2.विद्यालय में विज्ञान संगोष्ठी आयोजित करने की रूप रेखा बनाइये |

3.विज्ञान के प्रचार में किशोर भारती की भूमिका को समझाइये |

4.विज्ञान शिक्षण प्रयोगशाला विधि के बिना सम्भव नहीं है अपने विचार व्यक्त कीजिए |

5.विज्ञान प्रोजेक्ट के विभिन्न सोपानों को लिखिए |

6.विज्ञान किट के लाभ बताइये |

खंड – द्वितीय
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

1. भौतिक विज्ञान में एक उपलब्धि परीक्षण बनाइये |
2. भौतिक विज्ञान में विभिन्न प्रकार के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के पांच पांच प्रश्न बनाइये |
3.सतत एवं व्यापक मूल्यांकन को समझाइये |

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 023

प्रश्न पत्र : **विद्यालय विषय शिक्षण* (जीव विज्ञान शिक्षण)**

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018 तक** अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें |

खंड – प्रथम

लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

1.छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए आप क्या करेगें |

2.विज्ञान क्लब की गतिविधियों को लिखिए |

3.नवाचार आधारित पाठ्यक्रम क्या है ?

4.सामान्य उद्देश एवं विशिष्ट उद्देश में क्या अंतर है लिखिए |

5.विज्ञान सीखने में आई सी टी के प्रयोग को लिखिए |

6.मापन एवं मूल्यांकन में अंतर बताइये |

खंड – द्वितीय

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

1 विज्ञान में क्षेत्र अवलोकन कैसे किया जाता है बताइए |

2.जीव विज्ञान के इतिहास पर एक निबंध लिखो |

3.विज्ञान के प्रचार में कौन-कौन से स्वयं संगठनकार्य कर रहे है वर्णन कीजिये |

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 023

प्रश्न पत्र : **विद्यालय विषय शिक्षण* (गणित शिक्षण)**

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018 तक** अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें|

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें|

खंड – प्रथम

लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

1.गणित शिक्षण के उद्देश लिखिए |

2.गणित को रोचक बनाने के लिए आप क्या करेगे लिखिए|

3.प्रोजेक्ट विधि की विशेषताएं लिखिए |

4.एक शिक्षक को पाठ योजना क्यों बनाना चाहिए|

5.गणित शिक्षण में कौन कौन सी सहायक शिक्षण सामग्री प्रयोग में लायी जाती है सूची बनाइये |

6.गणित में नैदानिक परीक्षण की उपयोगिता क्या है ?

खंड – द्वितीय

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

1.किसी एक प्रकरण का शैक्षिक विश्लेषण करो |

अ. समीकरण ब.आयतन

2.कक्षा -9 की गणित की किसी इकाई की "इकाई योजना" बनाइये |

3.गणित विषय में विभिन्न प्रकार के वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के पांच पांच प्रश्न बनाइ

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 023

प्रश्न पत्र : **विद्यालय विषय शिक्षण* (स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा)**

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें |

खंड - प्रथम

लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. स्वास्थ्य शिक्षा की अवधारणा बताईये।

02. स्वास्थ्य एवं योग शिक्षा की वर्तमान जीवन में आवश्यकता एवं महत्व पर प्रकाश डालें।

03. स्वास्थ्य के प्रमुख आयाम स्पष्ट किजीए।

04. संतुलित आहार क्या है ?

05. शरीर रचना का अर्थ एवं परिभाषा स्पष्ट किजीए।

06. निम्न रक्त चाप के क्या लक्षण है ?

खंड - द्वितीय

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. महात्मा गांधीजी के कथन "शरीर, मन, इच्छा व विचार की सभी शक्तियों का एकत्रीकरण ही योग कहलाता है'' की अपने शब्दों में विवेचना करें।

02. आई.सी.टी. की सहायता से आप प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों को स्वास्थ्य शिक्षा कैसे देंगे ? एक रुपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

03. डॉ. बेनेडिक्ट जस्ट के इस कथन से कि "उत्तम स्वास्थ्य वह अनमोल रत्न है, जिसका मूल्य तब ज्ञात होता है, जब वह खो जाता है'' से आप कहाँ तक सहमत है ? विचार प्रस्तुत कीजिए।

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 023

प्रश्न पत्र : **विद्यालय विषय शिक्षण* (प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षण)**

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है | जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक एवं द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है | सभी प्रश्न अनिवार्य है | सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नों के उत्तर A4 साईज (आकार) के कागज की एक तरफ लिखें |

खंड - प्रथम

लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. शिक्षा के संदर्भ में कला के अर्थ एवं परिभाषा को स्पष्ट कीजिये |

02. नाट्य कला के संक्षिप्त इतिहास का वर्णन कीजिये |

03. वैदिक काल में संगीत के महत्व एवं शिक्षा पर उसके प्रभाव का विश्लेषण कीजिये |

04. स्वर बोध अभ्यास से आप क्या समझते है ?

05. दस थाट तथा उसके सांकेतिक चिन्हों से आप क्या समझते है ?

06. भारत में संगीत की कितनी पद्धतियाँ प्रचलित है ? किसी एक पद्धति का संक्षेप में वर्णन कीजिये |

खंड - द्वितीय

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. भारतीय नृत्य कला के एक प्रमुख प्रकार भरत नाट्यम की विशेषताओं का वर्णन कीजिये |

02. लोक संगीत के कितने प्रकार है ? विभिन्न प्रकारों का संक्षेप में वर्णन कीजिये |

03. माध्यमिक स्तर पर शिक्षा में प्रदर्शनकारी कलाओं के अनुप्रोग की कितनी संभावनाए है? और क्यों तर्क सहित व्याख्या कीजिये |

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर

सत्रीय कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा : 024

प्रश्न पत्र : **विद्यालय प्रबन्धन एवं नेतृत्व**

अंतिम तिथि : **30 अप्रैल 2018** तक अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें

निर्देश : यह प्रश्नपत्र दो खंडो में विभक्त है प्रथम खंड में लघु उत्तरीय प्रश्नों से संबंधित 6 प्रश्न दिए गए है। जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक द्वितीय खंड दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का है जिसमें प्रत्येक के लिए 06 अंक निर्धारित किये है। सभी प्रश्न अनिवार्य है। सभी उत्तर स्वयं के द्वारा हस्तलिखित होना अनिवार्य है, प्रश्नोंके उत्तर A4 साईज (आकार)के कागज की एक तरफ लिखें।

खंड –प्रथम

लघु उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 100-150) **06×02=12**

01. प्रबन्धन का अर्थ स्पष्ट कीजिए।
02. नेतृत्व के आवश्यक गुण क्या है ?
03. छात्रावास के महत्व को स्पष्ट कीजिए।
04. समय सारिणी के गुणों को बताइयें।
05. स्टाफ मीटिंग से क्या तात्पर्य है ?
06. विद्यालय में अनुशासनहीनता के क्या कारण है ?

खंड-द्वितीय

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

(अधिकतम शब्द सीमा 500-600) **03×06=18**

01. यदि आपको अपने विद्यालय के पुस्तकालय अध्यक्ष का दायित्व दिया जाय तो आप पुस्तकालय में क्या सुधार करेंगे ? स्पष्ट करें।
02. एक शिक्षक के रूप में शैक्षिक प्रशासन में आप समुदाय की सहभागिता किस रूप में सुनिश्चित करेंगे ? स्पष्ट कीजिए।
03. शैक्षिक नेतृत्व में आने वाली बांधाओं को स्पष्ट करें।

****

बी.एड. (सत्र 2017-19) द्वितीय सेमेस्टर

प्रायोगिक कार्य

प्रश्न पत्र कोड : शिक्षा: 025 **पूर्णांक :** 100

प्रश्न पत्र : **व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (एक सप्ताह के लिए)**

अंतिम तिथि : **30** अप्रैल **2018 तक** अध्ययन केंद्र पर प्रस्तुत करें |

निर्देश : निम्नलिखित प्रायोगिक कार्य स्व हस्ताक्षर में लिखे | मार्गदर्शक पुस्तिका (द्वितीय सेमेस्टर) में दिए गए निर्देश के अनुसार कार्य करें | प्रायोगिक कार्य A4 साईज (आकार) के कागज पर दाई ओर लिखें | निम्नलिखित विभिन्न प्रायोगिक कार्यों के लिए अलग-अलग फाईल्स का निर्माण न करकर एक ही में सम्मिलित करें |

व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम (एक सप्ताह के लिए) का प्रायोगिक कार्य एवं अंक निर्धारण निम्न तालिका नुसार होगा|

अ.क्र.	**कोड**	**क्रेडिट**	व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम **(एक सप्ताह के लिए)	**अंक**	**कुल अंक**
01	025	02	**कक्षा शिक्षण अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन : चयनित विषयों के (05) एवं अन्य विषयों के (10) कक्षा अवलोकन एवं सारांश** (प्रत्येक कक्षा अवलोकन के लिए अधिकतम 03 अंक और सारांश लेखन के लिए अधिकतम 05 अंक)	50	50
02		02	• **विद्यालय परिवेश व अन्य गतिविधियों का अवलोकन, रिपोर्ट लेखन एवं परियोजना तैयार करना** (अधिकतम 15 अंक)	15	50
			• **पाठ-सहगामी क्रिया का आयोजन तथा प्रबंधन (05 पाठ-सहगामी क्रिया)** (प्रत्येक पाठ-सहगामी क्रिया का आयोजन, प्रबंधन एवं रिपोर्ट लेखन के लिए अधिकतम 04 अंक)	20	
			• **विद्यालयी दैनिकी (एक सप्ताह)** (प्रत्येक दिन की		

			दैनिकी के लिए अधिकतम 02 अंक और रिपोर्ट लेखन कौशल के लिए अधिकतम 03 अंक)	15	
कुल क्रेडिट - 04					**100**